<u>अत्यंत गोपनीय-केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु</u>

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा, 2023

अंक-योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड--002

प्रश्न-पत्र कोड--29/1/1 से 3

सामान्य निर्देश:-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा- प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किये गए मूल्यांकन तथा कई अन्य पहलुओं से संबंधित है | इसका किसी भी तरह से सार्वजनिक रूप से लीक होना परीक्षा- प्रणाली के पटरी से उतरने का कारण बन सकता है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है | इस नीति /दस्तावेज को किसी को भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना IPC के तहत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है |

3. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।

4. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई उत्तर-पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करे और आश्वस्त हो कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर- पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

5. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) । मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

ZOLLEGE.in

6. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायीं ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायीं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

7. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

8. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

9. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

10. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 (उदाहरण 0--80 अंक जैसा कि प्रश्न-पत्र में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

11. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

12. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं-
- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर में दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर-पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्दों में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि।
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना।

13. प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जाए, शीर्षक पृष्ठ की गई प्रविष्टि सही हो तथा कुल अंकों को आंकड़ों और शब्दों में लिखे।

14. उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क के भुगतान पर अनुरोध कर उत्तर-पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। अतः सभी मुख्य परीक्षकों/ अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ परीक्षकों/ समन्वयकों को एक बार फिर से याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मूल्यांकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य-बिंदुओं के अनुसार मूल्यांकन किया जाए।

ZOLLEGE.in

Series E1GFH/1 प्रश्न-पत्र कोड 29/1/1 से 3

अंक योजना

हिंदी (ऐच्छिक)

प्रश्न सं.	29/1/1	29/1/2	29/1/3	मूल्यांकन बिंदु	अंक
				खंड अ **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तर**	
1	1	2	1	(i) (c) ज्ञान लेने-देने की दोनों की व्याकुलता (ii) (c) गुरु पहले शिष्य में ज्ञान भर देता है। (iii) (c) तमसो मा ज्योतिर्गमय (iv) (d) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) कथन (A) की गलत व्याख्या करता है। (v) (c) शिष्य के साथ गुरु का नाम पहले आता है। (vi) (b) गुरु की आराधना और उपासना करते-करते गुरुमय हो जाने पर (vii) (d) जब शिष्य की वाणी-विचार, वृत्ति, वेशभूषा गुरु जैसी हो जाती है। (viii) (b) अविनाशी गुरुतत्त्व शिष्य को प्रकाश देता है (ix) (a) माँ से भी अधिक स्नेह, दुलार देने के कारण (x) (d) आँख के अंजन से	10 x 1 = 10
2	2	1	2	काव्यांश-1 (क) (i) (c) किसी समुदाय की प्रथा या नियम जो बिना व्यवधान के श्रृंखला रूप में जारी रहती हो (ii) (b) वह हमारे समाज के लिए एकरूपता और सुरक्षा प्रदान करती है (iii) (c) उस विचारधारा में गंभीरता का अभाव है (iv) (b) उपयोगी जीवित परंपराएँ (v) (b) आस्था का समूल नष्ट होना (vi) (b) परंपरा-सभ्यता (vii) (c) नए विचार लाना (viii) (d) चीनी में मिलावट – मधु प्राकृतिक **अथवा**	8 x 1 = 8

ZOLLEGE.in

				काव्यांश-2 (ख) (i) (c) उन्हें पाने की कोशिश करने से (ii) (b) कल्पना लोक में ही योजनाएँ बनाते रहना (iii) (a) समाज में विशिष्ट पहचान होना (iv) (d) कुछ ना मिला तो कुछ सीख जाओगे (v) (a) आशावादी (vi) (a) दृढ़ता (vii) (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है। (viii) (c) अकर्मण्यता को छोड़ लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए	
3	**3**	**3**	**5**	(i) (c) तीव्र गति से ख़बरों का पहुँचाया जाना (ii) (b) आम बोलचाल के शब्दों वाली (iii) (a) क्या, कौन, कहाँ, कब, क्यों, कैसे (iv) (b) डायनमिक फौंट की अनुपलब्धता के कारण (v) (c) संवाददाताओं को उनकी रुचि और ज्ञान के आधार पर दिया गया काम	**5 X 1 = 5**
4	**4**	**5**	**6**	(i) (b) अर्धरात्रि में गाया जाने वाला राग (ii) (c) सुख की कामना वाले मीठे स्वप्न (iii) (b) दृष्टि (iv) (a) लोकलाज के कारण (v) (b) देवसेना की इच्छापूर्ति के असंभव होने के कारण (vi) (c) संध्या-बेला	**6 X 1 = 6**
5	**5**	**4**	**3**	(i) (d) मन को मोहने वाली (ii) (c) रामचंद्र शुक्ल – अपने पिता के बारे में (iii) (b) फारसी–हिंदी कवियों की उक्तियों को परस्पर मिलाने में (iv) (b) दोनों एक ही हैं (v) (c) अज्ञानता का (vi) (a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।	**6 X 1 = 6**
6	**6**	**6**	**4**	(i) (b) रंगभूमि (ii) (c) बत्तख से (iii) (b) अपना मालवा खाऊ उजाड़ू सभ्यता में (iv) (a) नदियों के जल को प्रदूषित होने से बचाना (v) (d) अपने शारीरिक सौंदर्य को बनाए रखना **अथवा** (b) दूध पिलाने के लिए समयाभाव होना	**5 X 1 = 5**

ZOLLEGE.in

				खंड ब **वर्णनात्मक प्रश्न**	
7	**7**	**7**	**7**	किसी ***एक*** शीर्षक पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख : भूमिका : 1 अंक विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक	**5**
8	**8**	 **8**		किन्ही ***दो*** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : (क) शब्द, भाषा-संकेत, वाक्य-शैली, छंद का अनुशासन, समय की प्रचलित प्रवृत्ति, प्रतिभा, बिंब आदि। (ख) दृश्य विधा है। (1+2) ● पात्र, स्थिति और परिवेश की माँग के अनुसार ● स्वाभाविक ● दर्शक/पाठक तक सरलता से संप्रेषित हो सकें ● क्रियात्मक और दृश्यात्मक हों (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ग) ● पात्रों के बारे में स्वयं न बोलकर पात्रों के क्रियाकलापों और संवादों के माध्यम से ● लेखक के द्वारा स्वयं भी पात्रों के बारे में कहा जाना ● दूसरों के द्वारा भी पात्र के बारे में कहलवाकर ● पात्रों का चरित्र-चित्रण पात्रों की अभिरुचियों के माध्यम से (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (क) ● बिंब और छंद कविता की आन्तरिक लय ● कविता को इंद्रियों से पकड़ने में मददगार ● बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बिंब के तौर पर बदलना ● कुछ खास शब्दों को सुनकर अनायास मन के अंदर कुछ चित्र कौंध जाना	**2 x 3 = 6**

ZOLLEGE.in

				• इन स्मृति चित्रों का ही शब्दों के सहारे कविता का बिंब निर्माण (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ख) नाटक में महत्त्वपूर्ण तत्त्व शब्द होता है। नाट्यशास्त्र में वाचिक अर्थात बोले जाने शब्द को नाटक का शरीर कहा जाता है। नाटककार अधिकाधिक संक्षिप्त और सांकेतिक भाषा का प्रयोग कर नाटक को क्रियात्मक बनाता है। नाटक में शाब्दिक अर्थ से अधिक महत्त्व व्यंजना की तरफ ले जाने वाले शब्दों का हैं क्योंकि नाटक में लिखे या बोले गए शब्दों से अधिक महत्त्व एक मौन, प्रकाश/अंधकार या ध्वनि प्रभाव का है। उससे नाटक अच्छा बन सकता है। (ग) किसी घटना, पात्र अथवा समस्या का क्रमबद्ध वर्णन जिसमें परिवेश हो, द्वन्द्वात्मकता हो, कथा का क्रमिक विकास हो, चरम-उत्कर्ष का बिंदु हो उसे **कहानी** कहते हैं। (1+2) कहानी लेखन में ध्यान रखने योग्य बातें • आकर्षक और प्रभावशाली शीर्षक • प्रभावी कथानक • देशकाल, वातावरण और स्थान का ध्यान • पात्र, परिस्थिति और भावानुकूल संवाद • द्वंद्व की योजना • रोचक चरमोत्कर्ष	
			8	(क) (1+1+1) • कविता में अन्य कलाओं की तरह बाह्य उपकरण की आवश्यकता नहीं • भाषा के उपकरणों से ही रचना • कविता का संबंध संवेदनाओं से • अपनी इच्छा से शब्दों का चयन करना तथा उन्हें लय से गठित करना • कवि का शब्दों से खेलना – शब्दों को मिलाना, उनमें छिपे अर्थो से परिचित होना और कविता में प्रयोग करना	

ZOLLEGE.in

				● तुकबंदी कर अपनी रचनात्मकता बढ़ाना (कोई भी उपयुक्त उदाहरण स्वीकार्य) (ख) (1+1+1) ● संवाद द्वारा कहानी को गति, पात्रों का स्थापन और विकास ● संवाद सरल, पात्रानुकूल, जिज्ञासापूर्ण, स्वाभाविक और भावानुकूल होने चाहिए ● इनसे कहानी सशक्त और संप्रेषित करने वाली होती है (ग) ● नाटक एक दृश्य विधा है, जो सदा वर्तमान काल में मंच पर घटित होती है। ● भूतकाल/भविष्य काल को केवल पढ़ा अथवा सुना जा सकता है घटित होते नहीं देखा जा सकता। ● भले ही उसकी कहानी भूतकाल/भविष्य काल की हो उसे वर्तमान काल में ही घटित होना पड़ता है।	
9	**9**	 **9**		(क) ● भाषा पर पूर्ण अधिकार ● तकनीकी शब्दावली की पूर्ण जानकारी ● उलटा पिरामिड शैली/ ककारों से पूरी तरह परिचित होना ● सहज-सरल भाषा का प्रयोग (ख) (1+2=3) ● एक सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन ● सूचना देने, शिक्षित करने और मनोरंजन हेतु ● फीचर लेखक इसमें अपनी राय या दृष्टिकोण और भावनाएँ व्यक्त कर सकता है। ● शैली कथात्मक ● भाषा सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूने वाली ● शब्दों की निश्चित सीमा नहीं (क) ● उलटा पिरामिड शैली ● महत्त्वपूर्ण तथ्य पहले और अन्य तथ्य बाद में ● क्लाइमेक्स खबर के बिल्कुल प्रारंभ में	**2 X 3 = 6**

ZOLLEGE.in

				● इंट्रो, बॉडी, समापन इन तीन विभागों में समाचार को विभाजित किया जाता है। (ख) ● फीचर समाचार की तरह तात्कालिक घटनाक्रम से अवगत नहीं कराता ● फीचर-लेखन की शैली समाचार लेखन की शैली से भिन्न ● फीचर लेखक अपनी कल्पना और राय व्यक्त कर सकता है, समाचार लेखक नहीं ● समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर जोर	
			9	(क) ● साफ, सुथरी, टंकित प्रति ● रेडियो पर समाचार चौबीसों घंटे चलते हैं इसलिए आज सुबह, शाम इत्यादि का प्रयोग ● संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग में सावधानी ● छोटे, सीधे, स्पष्ट वाक्य, सरल, संप्रेषणयोग्य, प्रभावी भाषा, भाषा में प्रवाह (ख) स्तंभ लेखन – एक विचारपरक लेखन है – कुछ महत्त्वपूर्ण लेखक अपने विशेष विचारपरक लेखन के लिए जाने जाते हैं – उनकी एक लेखन शैली विकसित हो जाती है। उनकी लोकप्रियता देखकर उन्हें नियमित स्तंभ लेखन का दायित्व दिया जाता है। स्तंभ का विषय चुनने और उसमें अपने विचार प्रकट करने की उन्हें पूरी छूट होती है – उनके विचारों की उसमें अभिव्यक्ति होती है —कुछ स्तंभ इतने लोकप्रिय हैं कि उन्हें लेखक के नाम पर जाना जाता है। ● संपादकीय पृष्ठ पर	
10	**10**			किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : (क) ● भारत में अनजान लोगों को भी सहारा ● परदुख कातरता का भाव ● अतिथि देवो भव की संस्कृति (कोई दो बिंदु अपेक्षित) (ख)	**2 x 2 = 4**

ZOLLEGE.in

				• गीत की सार्थकता– सबके द्वारा गाए जाने पर ही • मोती की सार्थकता – गोताखोर के द्वारा समुद्र से उसे निकाले जाने पर ही उसका उपयोग हो सकता है (ग) • क्षमाशील –अपराधी पर भी कभी क्रोध नहीं करते • भ्रातृ-प्रेम–कभी भरत का साथ नहीं छोड़ते, उनसे विशेष स्नेह करते थे • त्याग की मूर्ति–छोटे भाई भरत को हारता देख स्वयं हार जाना • विनम्र और सहायक	
		10		(क) • प्रतीकात्मक अर्थ है : दीप तेल (स्नेह) भरा रहता है, गर्व में तनी उसकी ज्वाला रहती है, प्रकाश उत्पन्न करने के कारण उसमें अहं भरा रहता है, उसी प्रकार एक व्यक्ति में भी स्नेह, गर्व एवं अहं ये तीनों भाव भरे रहते हैं अर्थात् वह स्वयं में सर्वगुणसंपन्न होता है। (ख) • प्रकृति से मनुष्य का संबंध टूटना • ऋतुओं में होने वाले परिवर्तन पर ध्यान न जाना • आधुनिक जीवन में मनुष्य भावहीन • कैलेंडर/अवकाश से प्रकृति के परिवर्तनों से अवगत होना • प्रकृति से रागात्मक संबंध की अपेक्षा (ग) राम भरत से इतना अधिक प्रेम करते थे कि खेल में जीतते हुए भी छोटे भाई भरत की प्रसन्नता के लिए जान बूझकर हार जाते थे। यह उनके अगाध प्रेम का उदाहरण है।	
			10	(क) • 'आकाश' शब्द श्रृंगार भाव से युक्त कल्पना का प्रतीक • 'मही' के रूप में अपनी पुत्री सरोज की ओर संकेत (ख) • 'पत्थर' और 'चट्टान' सृजन मार्ग में आने वाली बाधाओं और रूढ़ियों का • मन में व्याप्त ऊब और खीज का	

ZOLLEGE.in

				(ग) • नायिका का अधिक व्याकुल होकर कानों पर हाथ धरकर भौरों और कोयल के कलरव को न सुनने का प्रयास • प्राकृतिक उपादानों का नायिका की विरह-वेदना में और अधिक वृद्धि करना	
11	11	11	11	किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कवि—मलिक मुहम्मद जायसी कविता—बारहमासा **अथवा** कवि—विद्यापति कविता— पद संदर्भ+प्रसंग — 2 अंक व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	6
12	12			किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित— (क) • वेदि की मिट्टी का ढेला चुनने पर संतान वैदिक पंडित • गौशाला की मिट्टी का ढेला चुनने पर संतान पशु धनी • खेत की मिट्टी का ढेला चुनने पर संतान जमींदार • मसान की मिट्टी का ढेला चुनना अशुभ (ख) • अतीत की वैभवपूर्ण स्थिति को स्मरण करना • बड़ी हवेली में नौकर-चाकरों और जन मजदूरों की चहल-पहल • मेहंदी लगाने वाली नाइन का पूरा परिवार मेहंदी लगाने से ही पलना (ग) • प्राकृतिक आपदा बाढ़, भूकंप आदि के कारण घरबार छोड़कर लोगों का बाहर जाना और सामान्य स्थिति होने पर पुन: अपने मूल स्थान पर लौट आना, प्राकृतिक विस्थापन होता है। • औद्योगीकरण के कारण विस्थापन में घरबार नष्ट हो जाता है और लोग अपने मूल परिवेश से हमेशा के लिए उजड़ जाते हैं।	2 X 2 = 4

ZOLLEGE.in

		12		(क) ● परिवार का साहित्यिक परिवेश ● साहित्यप्रेमी मित्र-मंडली ● पं. केदार नाथ पाठक के पुस्तकालय से हिंदी पुस्तकें पढ़ना (ख) ● जैसे आम व्यक्ति घड़ी के पुर्जों की जानकारी नहीं रखता वैसे ही प्रत्येक व्यक्ति धर्म के रहस्य को नहीं जानता – अत: इसका उदाहरण दिया। ● प्रत्येक व्यक्ति घड़ी साजी का प्रशिक्षण लेकर घड़ी ठीक करना सीख सकता है उसी तरह धर्म के रहस्य को जानना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार हो सकता है। (ग) ● संवदिया निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ● संवदिया औरतों का गुलाम	
			12	(क) ● धर्म के दस लक्षण ● नौ रसों के उदाहरण ● चन्द्रग्रहण कैसे लगता है ● हेनरी आठवें की स्त्रियों के नाम ● पेशवाओं का कुर्सीनामा ● बड़ा होकर क्या करेगा (ख) विद्यार्थियों द्वारा दी गई स्वतंत्र अभिव्यक्ति स्वीकार्य (ग) ● अराफात द्वारा लेखक और उसकी पत्नी का सदर मुकाम के मुख्य द्वार पर स्वयं स्वागत करना ● फल छील-छीलकर खिलाया जाना ● हाथ धोने के बाद तौलिया लेकर उपस्थित होना	
13	**13**	**13**	**14**	गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : पाठ— कुटज लेखक— हजारी प्रसाद द्विवेदी संदर्भ +प्रसंग – 2 अंक	**6**

ZOLLEGE.in

				व्याख्या – 3 अंक विशेष + भाषा – 1 अंक	
14	**14**	**14**	**13**	किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर अपेक्षित : (क) • बरसात का एकाएक न आना • आकाश का बादलों से घिर जाना • दिन में अँधेरा छा जाना • तेज बारिश होने पर ढोल, मृदंग, तबला और सितार के संगीत का अनुभव होना • घर की छत से घोड़ों की कतार के दूर से दौड़े आने का स्वर • दूब और वनस्पति का खिल जाना • गंदगी, सीलन, बदबू और कीचड़ की लदर-पदर **अथवा** (ख) • हार न मानना • पुनर्निर्माण में विश्वास • प्रतिशोध का भाव न होना • धैर्य और दृढ़-निश्चय • सकारात्मक सोच • गांधीवादी विचारधारा	**3**

ZOLLEGE.in

ZOLLEGE.in